आज दिनांक 10 दिसम्बर 2016 को अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस पर महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवायोजना के तत्वावधान में प्राचार्या डॉ सुनंदा चतुर्वेदी की अध्यक्षता में संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमे महाविद्यालय के पचास से अधिक छात्र छात्राओं ने प्रतिभाग किया। समस्त छात्र/ छात्राओं ने अपने विचार रखे और एक दूसरे के मानवाधिकार की रक्षा में आपसी सहयोग पर बल देने की बात पर बल दिया ।प्रा चार्या डॉ सुनंदा चतुर्वेदी ने छात्र छात्राओं से अपील किया कि हम लोग जितना अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहते हैं उतना ही कर्तव्यों के प्रति भी सजग रहना चाहिए । हमें एक दूसरे की स्वतंत्रता का ख्याल रखना चाहिए ।सभी की एक सीमा है हमें उस सीमा में रहना चाहिए ।

"सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे संतु निरामयाः

सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चित् दुःख भागभवेत"

से बड़ी परिभाषा मानवाधिकार की कोई होही नहीं सकती ।

इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक डॉ0 सुरेश जैन, डॉ0 अभिलाष सिंह, डॉ0 जयदेव, डॉ0 बिनोद कुमार, डॉ0 आदित्य नाथ, डॉ0 सुनील, डॉ0 प्रमिला वर्मा, डॉ0 संतोष कुमार सिंह, डॉ0 राजकरन पटेल, डॉ० राजेश विश्वकर्मा ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन बी ए 3 के छात्र सत्यम ने किया ।